पंडित सुखदेव प्रसाद घिल्डियाल, एक ब्राह्मण परिवार से हैं। आपके दादा जी स्वर्गीय श्री खुशालमणी घिल्डियाल एक प्रसिद्ध वैद्य, कर्मकाण्डी, संगीतज्ञ और ज्योतिषी थे। आपके पिता जी स्वर्गीय श्री जनार्दन प्रसाद घिल्डियाल कर्मकाण्ड और ज्योतिष विद्या में निपुण थे। उन्होंने वर्ष 1961-1962 में विश्व कल्याणार्थ (श्री अयुत चण्डी महायज्ञ दिल्ली, जिसे योगीराज चेरिटी ट्रस्ट द्वारा करवाया गया था) अखण्ड चण्डी पाठ यज्ञ में एक प्रमुख ब्राह्मण के रूप में भाग लिया था, जो 15 दिनों तक लगातार चला था। उन्होंने वर्ष 1984, में दिल्ली (सेवा नगर) में स्थित एक प्राचीन मन्दिर (प्राचीन पीपल महादेव मन्दिर) का भी जीर्णोद्धार करवाया था। ईश्वर की कृपा से आपको बचपन सें ही अपने चारो ओर का वातावरण ज्योतिषीय मिला, इसी कारण आपकी रूचि ज्योतिष शास्त्र में बहुत गहरी हो गयी। इस क्षेत्र में आपके अनेकों ज्योतिष गुरू हैं, परंतु प्रथम गुरू आपके पूज्य पिता जी थे, उन्होंने आपकी रूचि को देखकर आपको अनेकों ज्योतिष ग्रन्थों का अध्ययन करवाया और अपने जीवन के अमूल्य अनुभव और ज्योतिष के गूढ़ रहस्यों को बताकर आपको कृतार्थ किया, जिसके लिए आप उनके सदा ऋणी रहेंगे। एक खानदानी ज्योतिषी होने के कारण आपके पास ऐसे अनेकों उपाय, सूत्र, मंत्र और विधियां आदि है, जो केवल पुस्तकों के अध्ययन से सम्भव नहीं है। आप लगभग पिछले 25 वर्षो (1987) से अधिक समय से वैदिक ज्योतिष शास्त्र में कार्यरत हैं और अब तक हजारों जन्म पत्रिकाओं का अध्ययन कर चुकें हैं और अपने अनुभव से लोगों को लाभान्वित कर रहें हैं। जन्म पत्रिका के आधार पर कोई घटना कब घटेगी या नही घटेगी का ठीक-ठीक अनुमान एक समय अवधि के अन्दर आप आसानी से बता देते हैं जैसेः- नौकरी कब मिलेगी?, स्वास्थ्य लाभ कब होगा? या विवाह संस्कार कब तक हो जाएगा आदि। आपने अपना औपचारिक ज्योतिष अलंकार वर्ष 1999, और ज्योतिष आचार्य वर्ष 2001, में भारतीय विद्या भवन दिल्ली से किया और एक सफल व्यवसायिक ज्योतिषी की तरह कार्यरत हैं।

आपका उद्देश्य अपने अनुभव से अधिक से अधिक लोगों को वैदिक ज्योतिष शास्त्र में विश्वास दिलाकर उनका मार्ग दर्शन करना और उन्हे लाभान्वित करना है। उनके अन्दर आत्मविश्वास की एक नई ऊर्जा को जगाना, जीवन के प्रति उनको आस्थावान और प्रगतिशील बनाना है और साथ ही समाज में फैली हुई भ्रांतियों, कुरितियों और अन्धविश्वासों को समाप्त करना है। सभी प्रकार की व्यक्तिगत जानकारी और सभी प्रकार के प्रश्नों के जवाबों के साथ ग्रहों से सम्बन्धित उचित वैदिक उपचारों के लिए आपसे संपर्क किया जा सकता है। आपके द्वारा बताएं गये उपाय बहुत ही सरल और मन को शांति प्रदान करने वाले होते हैं, समस्या का जल्दी से जल्दी निदान भी करतें हैं तथा पर्यावरण को भी किसी प्रकार की हानि नही होती, जैसेः पेड़-पौधें लगाना, हॉस्पिटल-स्कूल आदि में जाकर मदद करना, मंत्र जाप करना, व्रत करना, रत्न धारण करना आदि। इन सेवाओं से अर्जित धन के एक भाग का प्रयोग आप उन लोगों के लिए भी करते हैं जो शारीरिक या मांनसिक रूप से कमजोर हैं और धन के अभाव में अपनी शिक्षा, विवाह (विशेष तौर पर कन्याएं) आदि करने में असमर्थ रहते हैं।